पढ़िए और समझिए-

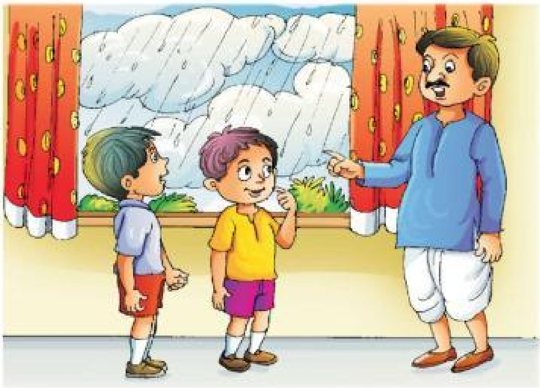

दर्शन सुबह उठा। उसने गर्म-गर्म दूध पिया। तभी कर्मवीर आया। उसने बताया बहुत तेज वर्षा होने वाली है। सूर्य बादल में छिप गया है। दर्शन के पिताजी आए और बोले सदा धर्म पर चलो। कर्म करो यही आर्य-धर्म है। कार्य को समय पर पूर्ण करो। कोई कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। निर्धनों की सेवा करो। अपना पूर्ण जीवन सार्थक कार्य में लगाओ।

करके सीखो

1. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-

(क) वर्ष में __________ ऋतुएँ होती हैं। (छः/चार)

(ख) वर्षा ऋतु में __________ होती है। (वर्षा/गर्मी)

(ग) बसंत ऋतु में नए __________ खिलते हैं। (फूल/पर्ण)

2. चित्रों का शब्दों से मिलान कीजिए-

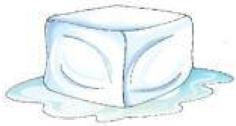

टार्च
बर्फ
सूर्य
सर्प

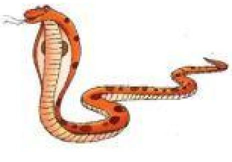

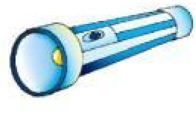

LIVEWORKSHEETS